चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में उभरते बाजार के मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय सेमिनार, विशेषज्ञों ने प्रबंधन के सिखाये गुर

# बेहतर आइडिया के लिए खुले मन से सोचें : प्रो. सुंदरराजन

**क्रिएटिव मैनेजमेंट**

पटना | वरीय संवाददाता

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) में उभरते बाजार के मुद्दों को लेकर सोमवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान की-नोट स्पीकर प्रो. सुंदरराजन ने प्रबंधन के अलग अलग मुद्दों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि क्रिएटिव प्रबंधन तभी सफल है जब उसकी रचनात्मकता हर परिस्थिति में समान रहे। हालांकि प्रबंधन में रचनात्मकता का मतलब यह नहीं है कि हर बार हम नया आविष्कार ही करें। रचनात्मकता का स्पष्ट मतलब आप अपने काम को सही तरीके से कर रहे हों और काम व्यवस्थित रहे। उन्होंने प्रबंधकों को तीन दिशा में व्यापक ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले खुली सोच जरूरी है। जिससे अधिक से अधिक आइडिया मिले। इसके बाद विश्लेषणात्मक अध्ययन और रचनात्मक भाषा शैली का भी महत्व है। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने बिहार के संबंध में सोशल मार्केटिंग, रूरल मार्केटिंग के बारे में बताया। इस दौरान चार तकनीकी सत्र हुए, जिसमें 14 पेपर प्रेजेंट किए गए। इसमें आईआईएम लखनऊ के डॉक्टोरल स्कॉलर संजीत कुमार समीर के पेपर को बेस्ट पेपर का अवार्ड मिला।

सीआईएमपी में राष्ट्रीय सेमिनार में शामिल अतिथि व सेल्फी लेते छात्र-छात्राएं।

Hindustan (Hindi)Patna Live Page No-02
Dated:-12/11/2019

# National conference on issues in emerging markets

OUR CORRESPONDENT

PATNA: The third edition of National Conference on issues in Emerging Markets (NCEM 2019) was held on CIMP Campus on 11th November 2019. The conference was presided over by Dr. V. Mukunda Das, Director, CIMP, and the key note speaker was Prof. Sundararajan.

In his inaugural address, Dr. Mukunda Das talked about the relevance of the social implications of this type of academic gatherings through issues like social marketing, rural marketing which are especially important in the context of Bihar.

Prof. Sundararajan, the key note speaker for the conference, spoke about the core of management being "doing" or actions. So, Creative Management is about being 'creative' in the doing of whatever activities involved in the role functions of a manager. He argued that creativity in management is not about discoveries, inventions, etc. Instead, he emphasized creativity to be correct, elegant, and complete in the doing of managerial activities. In the context of management, he reiterated that Managers need to develop the three core powers in order to translate knowing into doing: (1) Free-Wheeling mind or freedom from mental traps, (2) Analytic intellect, and (3) Creative language control.

In all, 14 papers were presented in the four technical sessions (OB & HR; General Management & Public Policy; Finance & Economics; and Marketing & Operations Management). The best paper award went to Sanjeet Kumar Sameer (Doctoral scholar, IIM Lucknow) .The valedictory session was presided over by Dr. Sundararajan where certificates were presented to the paper presenters.

Morning India, Page No-03
Dated:-12/11/2019

# बिजनेस जोखिम कम, रोजगार व निवेश की संभावना अधिक

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को 'उभरते बाजारों के मुद्दों' पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय व बिहार के संदर्भ में बाजार की वर्तमान स्थिति और भविष्य पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बिहार में बिजनेस में सबसे कम जोखिम है। राज्य सरकार की सकारात्मक नीति तथा सस्ते व कुशल मानव संसाधन के कारण निवेश की संभावना अधिक है। निवेश में बढ़ोत्तरी होने पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

एनसीईएम-2019 के तीसरे संस्करण का शुभारंभ सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास और मुख्य वक्ता प्रो. सुंदर राजन ने किया। निदेशक ने कहा कि सामाजिक विपणन और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दे की दुश्वारियों को इस तरह के अकादमिक गतिविधियों से समझा और दूर किया जा सकता है। बिहार में संभावनाएं काफी है। युवा अपने कौशल से स्वरोजगार की ओर बढ़ें। मुख्य वक्ता प्रो. सुंदर राजन ने प्रबंधन के मूल कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रबंधन में रचनात्मकता केवल खोज या आविष्कार आदि से ही नहीं है, बल्कि सही, सुरुचिपूर्ण और पूर्ण होना है। बताया कि मानसिक जाल से मुक्ति, विश्लेषणात्मक बुद्धि तथा रचनात्मक कार्य पर नियंत्रण अनिवार्य है।

## सेमिनार में चार सत्र में 14 पेपर प्रस्तुत

सेमिनार में चार तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। मानव संसाधन, जनरल मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स तथा मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट में कुल 14 पेपर प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार आइआइएम लखनऊ के स्कॉलर संजीत कुमार समीर को दिया गया। अंतिम सत्र में डॉ. सुंदर राजन ने रिसर्च पेपर प्रस्तुत करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

Dainik Jagran Page No-06
Dated:-12/11/2019

# प्रबंधकों को रचनात्मक शक्ति विकसित करना जरूरी

**उभरते बाजारों के मुद्दों पर आयोजित नेशनल कान्फ्रेंस में प्रमुख वक्ता ने व्यक्त किये विचार**

**पटना (एसएनबी)।** उभरते बाजारों के मुद्दों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसीईएम 2019) का तीसरा संस्करण सोमवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) कैंपस में आयोजित हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. मुकुंद दास ने की। प्रमुख वक्ता थे प्रो. सुंदरराजन।

सम्मेलन में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. मुकुंद दास ने सामाजिक विपणन और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दों के माध्यम से इस तरह के अकादमिक समारोहों के सामाजिक निहितार्थों की प्रासंगिकता के बारे में बात की, जो विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। वहीं प्रमुख वक्ता प्रो. सुंदरराजन ने प्रबंधन के मूल कार्यों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि रचनात्मक प्रबंधन, प्रबंधक की भूमिका में जो भी गतिविधियां शामिल हैं उन्हें करने में रचनात्मक होना है। प्रबंधन के संदर्भ में उन्होंने दोहराया कि प्रबंधकों को तीन रचनात्मक शक्तियां विकसित करने की जरूरत है ताकि वे जान सकें कि उन्हें क्या करना है, वे हैं - मानसिक जाल से मुक्ति, विश्लेषणात्मक बुद्धि और रचनात्मक कार्य पर नियंत्रण। कुल मिलाकर इस नेशनल कॉंफ्रेंस में चार तकनीकी सत्रों में 14 पेपर प्रस्तुत किए गए। सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार संजीत कुमार समीर (आईआईएम, लखनऊ) को दिया गया। अंतिम सत्र की अध्यक्षता डॉ. सुंदरराजन ने की। रिसर्च पेपर प्रस्तुतकर्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते सीआईएमपी के निदेशक मुकुंद दास।

Rashtriya sahara Page No-05
Dated:-12/11/2019

# प्रबंधन में रचनात्मकता केवल खोज या आविष्कार नहीं : प्रो सुंदरराजन

**पटना** : चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को 'उभरते बाजारों के मुद्दों' पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीसरे संस्करण का आयोजन हुआ. सम्मेलन के लिए मुख्य वक्ता प्रो सुंदर राजन ने कहा कि प्रबंधन में रचनात्मकता होनी चाहिए. यह सबसे मूल कार्यों में से एक है. रचनात्मक प्रबंधन में सही में रचनाएं बेहतर होनी चाहिए. बाजार की भीड़ में अलग दिखना होगा. प्रबंधन में रचनात्मकता केवल खोज या आविष्कार नहीं है. बल्कि रचनात्मकता सही, सुरुचिपूर्ण और पूर्ण होनी चाहिए. सम्मेलन की अध्यक्षता सीआइएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने की थी. उन्होंने उद्घाटन भाषण में सामाजिक विपणन और ग्रामीण विपणन जैसे मुद्दों के माध्यम से इस तरह के एकेडमिक समारोहों के सामाजिक निहितार्थों की प्रासंगिकता के बारे में बात की, जो विशेष रूप से बिहार के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं. नेशनल कॉन्फ्रेंस में चार तकनीकी सत्रों (मानव संसाधन, जनरल मैनेजमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी, फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट) में 14 पेपर प्रस्तुत किये गये. सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार संजीत कुमार समीर (स्कॉलर, आइआइएम लखनऊ) को दिया गया. अंतिम सत्र की .

Prabhat Khabar Page No-21
Dated:-12/11/2019